राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तेजस टूडे

तेल, दूध, घी में मिलावट की जांच प्रक्रिया सिखायी गयी

खाद्य में मिलावट पर चल रहे वैल्यू एडेड कोर्स का हुआ समापन

तेजस टूडे ब्यूरो
विरेन्द्र यादव/अजय विश्वकर्मा

सिद्दीकपुर, जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन में संचालित माइक्रो बायोलॉजी विभाग में 22 से 31 मई तक 10 दिन 30 घंटे का वैल्यू ऐडेड कोर्स फूड एडल्टेरेशन संचालित किया किया गया। कोर्स में स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर के तमाम विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। आज के परिवेश में हम सभी खाद्य पदार्थों में होने वाले मिलावट से भली–भांति परिचित हैं जो स्वास्थ्य के लिए बहुत ही नुकसानदेह हैं। उपरोक्त कोर्स में हल्दी, धनिया लौंग, जीरा, तेल शहद, दूध, घी में प्रायः होने वाले मिलावट की जांच की प्रक्रिया विद्यार्थियों को सिखाई गई। बुधवार को कार्यक्रम का समापन किया गया जहां विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने कहा कि भारत एवं चीन में सबसे ज्यादा मिलावट है एवं भारत में 28% तक मिलावट है एवं इससे बचने हेतु ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अति आवश्यकता है। डॉ. मनीष गुप्त ने इस कोर्स के संचालन हेतु विभाग को धन्यवाद देते हुये कहा कि ऐसे मिलावट का स्वास्थ्य पर सीधा असर होता है। ऐसे मिलावट की प्रचुर अधिकता त्योहारों में दिखाई देती है। कोर्स के कोऑर्डिनेटर डॉ. एसपी तिवारी ने कहा कि कोर्स बच्चों की खाद्य उद्योग के संगठनों में विद्यार्थियों को रोजगार हेतु अवसर प्रदान करेगा। प्रोग्राम कोआर्डिनेटर डॉ. ऋषि श्रीवास्तव ने कहा कि जांच के दौरान विभिन्न खाद पदार्थों में प्रचुर मात्रा में मिलावट देखा गया। इस अवसर पर डॉ. विवेक पाण्डेय, डॉ दिनेश कुमार, डॉ. अवधेश कुमार, डॉ. चंद्रशेखर सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋषि श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.अवधेश कुमार ने किया।

खाद्य में मिलावट पर चल रहे वैल्यू एडेड कोर्स का समापन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन में संचालित माइक्रो बायोलॉजी विभाग में 22 से 31 मई 10 दिन 30 घंटे का वैल्यू ऐडेड कोर्स फूड एडल्टरेशन संचालित किया जा किया गया। इस कोर्स में स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर के विश्वविद्यालय एवं मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। आज के परिवेश में हम सभी खाद्य पदार्थों में होने वाले मिलावट से भलीभांति परिचित हैं जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही नुकसानदेह हैं। उपरोक्त कोर्स में हल्दी, धनिया लौंग, जीरा, तेल शहद, दूध, घी में प्राय: होने वाले मिलावट की जांच की प्रक्रिया विद्यार्थियों को सिखाई गई। आज 31 मई को कार्यक्रम का समापन किया गया और समापन के अवसर पर विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. राजेश शर्मा ने कहा कि भारत एवं चीन में सबसे ज्यादा मिलावट है एवं भारत में 28 प्रतिशत तक मिलावट है एवं इससे बचने हेतु ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की अति आवश्यकता है । डॉ. मनीष गुप्त ने इस कोर्स के संचालन हेतु विभाग को धन्यवाद दिया । कहा कि ऐसे मिलावट का स्वास्थ्य पर सीधा असर होता है ऐसे मिलावट की प्रचुर अधिकता त्योहारों में दिखाई देती है। कोर्स के कोऑर्डिनेटर डॉ. एसपी तिवारी ने कहा कि कोर्स बच्चों की खाद्य उद्योग के संगठनों में विद्यार्थियों को रोजगार हेतु अवसर प्रदान करेगा। प्रोग्राम कोआर्डिनेटर डॉ. ऋषि श्रीवास्तव ने कहा कि जांच के दौरान विभिन्न खाद पदार्थों में प्रचुर मात्रा में मिलावट देखा गया। इस अवसर पर डॉ. विवेक पाण्डेय, डा. दिनेश कुमार, डॉ. अवधेश कुमार एवं डॉ. चंद्रशेखर सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋ षि श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ.अवधेश कुमार द्वारा किया गया।

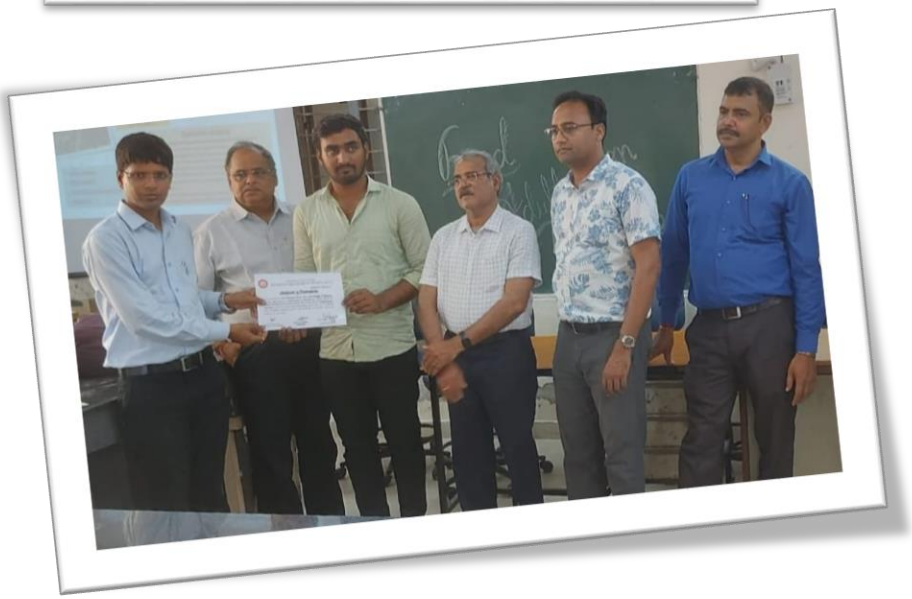

कोरोना के टीके को लेकर किसी तरह का भ्रम न पालें

कोरोना वैक्सीनेशन शुरू हुए तीन दिन बीत चुके हैं। पहले दिन टीका लगवाने वालों पर कोई दुष्प्रभाव न होने से वैक्सीन को लेकर फैलाया जा रहा भी अब दूर हो गया है। प्रबुद्ध लोग खुद सबसे टीकाकरण में सहयोग के लिए जागरूक कर रहे हैं। उनका कहना है कि टीका लगवाने में किसी तरह का भ्रम पालने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर खुद टीका लगवाएं और दूसरों को भी वैक्सीन की डोज लेने के लिए प्रेरित करें।

कोरोना से मुक्ति के लिए सरकार की ओर से चलाया जा रहा अभियान सराहनीय है। कोरोना को हराने में वैक्सीन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित और कारगर है। पहले भी कई बीमारियों से निजात पाने के लिए वैक्सीनेशन किया जा चुका है। लोगों से अपील है कि वह टीका जरूर लगवाएं। **-प्रो. देवराज सिंह, निदेशक रज्जू भइया संस्थान पूविवि**

कोरोना से बचाव के लिए टीका लगवाना जरूरी है। वैक्सीन लगवाने से हमारे शरीर में एंटी बाडी बनेगी और शरीर सुरक्षित हो जाएगा। वायरस का वैक्सीन बनाना जटिल प्रक्रिया है। इसका कल्चर किया जाता है। वैक्सीन पूरी तरह से लाभदायक है। सभी लोग टीका जरूर लगवाएं। **-प्रो. राजेश शर्मा, बायो टेक्नोलाजी पूविवि।**

बीमारियों से बचाव के लिए टीका सबसे बेहतर माध्यम है। टीका लगाने को लेकर किसी तरह का भ्रम पालने की जरूरत नहीं है। वायरस को इनएक्टीवेट कर वैक्सीन बनाई गई है। टीकाकरण से हमारा इम्यून सिस्टम मजबूत होगा। प्लाज्मा में भी एंटीबाडी का निर्माण होगा, जिससे वायरस से लड़ने की क्षमता आएगी। **-डॉ. एसपी तिवारी, एसोसिएट प्रोफेसर माइक्रो बायोलाजी पूविवि।**

जौनपुर जा

पूर्वांचल विवि के माइक्रो बायोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर की टीकाकरण पर राय

वैक्सीन इनएक्टिवेटेड, पूरी तरह से सुरक्षित

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के माइक्रो बायोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. एसपी तिवारी ने स्पष्ट किया कि कोविड वैक्सीन इनएक्टिवेटेड है जो वायरस से पूरी तरह सुरक्षित रखती है। वैक्सीन लेने के बाद कुछ लोगों के शरीर के तापमान में वृद्धि देखी गई जो सामान्य प्रक्रिया है। बातचीत पर आधारित खालिद शाह की रिपोर्ट।

सवाल: कोरोना वैक्सीन कितनी असरदार है, यह शरीर के अंदर कैसे काम करती है?

जवाब: जब भी कोई नई चीज आती है तो लोगों के मन में कई तरह की जिज्ञासा होती है। ऐसे में

वैक्सीन है सुरक्षित

डा. एसपी तिवारी ● जागरण

कहा- सभी लोगों इस कल्याणकारी कार्यक्रम का हिस्सा बनकर कोरोना महामारी से बचाने में करें सहयोग।

सवाल: कोरोना वैक्सीन को लेकर आपका क्या कहना है?

जवाब: यह कोरोना वैक्सीन सौ फीसद सही है, इस तरह की कई वैक्सीन की पूर्व में प्रयोग की जा चुकी है। पोलियो की इंजेक्टेड वाली वैक्सीन लगाई गई थी, जो कारगर साबित हुई। यह पहली स्वदेशी वैक्सीन है जो भारत के बायोटेक ने आइसीएमआर एवं एनआइवी के सहयोग से तैयार की है। बिना किसी हिचकिचाहट के राष्ट्रहित में वैक्सीन के उपयोग में सहभागी बने एवं सहयोग करें।

बिल्कुल भी घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना वैक्सीन इनएक्टिवेटेड वैक्सीन है। वैक्सीन का डोज लेने के बाद यह हमारे शरीर के रक्त में पहुंच कर बी-सेल को सक्रिय कर देती है। बी सेल शरीर में एंटीबाडी का निर्माण करती है। वह एंटीबाडी ब्लड में पेट्रोलिंग करेगी। कोई वायरस आएगा तो उसे खत्म कर देगी। साथ ही प्रतिरोधी क्षमता की दूसरी टी सेल वायरस को मार देगी।

सवाल: वैक्सीन इतनी जल्दी कैसे तैयार हो गई?

जवाब: विज्ञान, विज्ञानी को समय सीमा में नहीं बांधा जा सकता, न तो किसी खोज की सीमा निर्धारित होती है। इसमें रिजल्ट तुरंत भी मिल जाता है और देरी से भी। कोरोना वैक्सीन के लिए विज्ञानियों का समुदाय मार्च से ही लगा था। पूरे विश्व के विज्ञानी इस पर शोध कर रहे थे। हालांकि अगस्त, सितंबर में इस वैक्सीन को तैयार कर लिया गया था। बाजार में आने से पहले इसका ट्रायल और अप्रूवल की लेना बहुत जरूरी होता है। इसको डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुमति दी जाती है। इस प्रक्रिया से गुजरने के बाद अब वैक्सीन लगनी शुरू हो गई है। भारत बायोटेक द्वारा तैयार कोरोना वैक्सीन अपेक्षाकृत विदेशों के वैक्सीन से बहुत सस्ती है।

छोटी बीमारी को भी खतरनाक बना सकती है सेप्टीसीमियाः प्रो. गोपालनाथ

सेप्टीसीमिया एवं बैक्टीरियोफेज थेरेपी विषयक व्याख्यान का हुआ आयोजन

रोजाना टाइम्स

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग के तत्वावधान में सेप्टीसीमिया एवं बैक्टीरियोफेज थेरेपी विषयक व्याख्यान का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य वक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गोपालनाथ ने कहा कि एंटीबायोटक के प्रति विभिन्न रोगों के कारकों में प्रतिरोध के कारण छोटी सी बीमारी भी खतरनाक साबित हो रही है।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम पुनः 1940 के प्री एंटीबायोटिक के दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गंगा के पानी में पाए जाने वाले बैक्टीरियोफाज के कारण गंगा का पानी विभिन्न बीमारियों के जीवाणु को मारने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि खान-पान का असर हमारे शरीर में संबंधित होने वाले जीवाणुओं पर पड़ता है। उनका मानना है कि सेप्टीसीमिया एक गंभीर रक्त प्रवाह संक्रमण है। इसे बैक्टीरिया या रक्त विषाक्तता के रूप में भी जाना जाता है। सेप्टिसीमिया तब होता है जब शरीर में कहीं और बैक्टीरिया संक्रमण फेफड़ों या त्वचा में होता है, जो रक्त में प्रवेश करता है।

व्याख्यान का संचालन डॉ एस.पी. तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. राजेश शर्मा ने किया। इस अवसर पर प्रो. वंदना राय, प्रो. राम नारायण,प्रो. प्रदीप कुमार, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. ऋषि, डॉ. प्रभाकर, डॉ. ईशानी, डॉ. दिनेश, डॉ. अवधेश, डॉ. राजेश, डॉ. विजयशंकर, डॉ. विवेक सहित विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गुरु नानक कालेज चेन्नई के विद्यार्थियों को दिया गया प्रशिक्षण - रिपोर्ट मोहम्मद अरश

चेन्नई के विद्यार्थियों को सिखाई गई मिलावट में जांच की प्रक्रिया

By Manish Srivastava | JAUNPUR | Jul 24 2023 05:08 PM

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय और गुरु नानक विद्यालय चेन्नई के संयुक्त तत्वाधान में दोनों संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन के तहत इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम बायोटेक्नोलॉजी में चल रहा है। कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य के निर्देशन में विश्वविद्यालय ने गुरु नानक कालेज चेन्नई के समझौता किया गया। इसी के तहत सोमवार को चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। उन्हें खाद्य मिलावट पर हैंड्स ऑन ट्रेनिंग दी गई। प्रशिक्षण माइक्रोबायोलॉजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. ऋषि श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। इसमें खाद्य पदार्थों में होने वाले मिलावट जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक हैं। उपरोक्त परीक्षण कोर्स में हल्दी, धनिया, जीरा, तेल, दूध, घी एवं अन्य खाद्य पदार्थों में प्रायः होने वाले मिलावट की जांच की प्रक्रिया विद्यार्थियों कं सिखाई गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऋषि श्रीवास्तव ने बताया कि जांच के दौरान कई खाद्य पदार्थों में मिलावट पाई गई। ऐसे प्रशिक्षण से निश्चित है को जागरूक होने में सहायता मिलेगी। साथ में गुरु नानक देव महाविद्यालय की बायोटेक्नोलॉजी की विभागाध्यक्ष डॉ.भारती ने कहा काफी अच्छे माहौल में हमारे शिक्षार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त हुआ। उन्होंने यहां के शिक्षकों की सहयोगी भूमिका पर प्रसन्नता व्यक्त किया। इस दौरान प्रो. राजेश शर्मा, डॉ. एस पी तिवारी, डॉ.अवधेश कुमार मौर्य, डॉ.दिनेश कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

of Milk (MBRT)